ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-३३
दिनांक- शुक्रवार, २२ मई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.५ एवं २०.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७८ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५१ प्रतिशत, हवा की औसत गति १२.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.७ एवं दोपहर में ३४.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ३.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२३-२७ मई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २३-२७ मई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते है। अगले २५ मई तक मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। इसके बाद तराई के जिलों में अनेक स्थानों पर एवं मैदानी भागों के १-२ स्थानों पर गरज वाले बादल बनने के साथ हल्की वर्षा होने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३५ से ३७ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २२-२६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १४-१८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६५ से ७५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में तापमान में वृद्धि तथा ज्यादातर दिनों में मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। इसे देखते हुए किसान भाई रबी मक्का की तैयार फसलों की कटनी तथा दौनी एवं दानो को सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर सम्पन्न करें।
- गरमा सब्जियों, हरा चारा की फसलें, बसन्तकालीन मक्का, पिछात मुंग एवं उरद की फसल तथा अन्य खड़ी फसलों में अगर नमी कम है तो जीवन रक्षक सिंचाई शाम के वक्त करे । आम एवं लीची के बगीचों में नमी बनाये रखें।
- परती खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे किड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें।
- शुष्क एवं गर्म मौसम में भिंडी की फसल में माइट कीट का प्रकोप अधिक रहता है अतः किसान नियमित रुप से फसल में इसकी निगरानी करें। माइट कीट प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन @ १.५ से २ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- अगात मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले। पिछात बोयी गयी मूंग एवं उरद् की फसल में पीला मोजैक रोग की निगराणी करें। यह विषाणु द्वारा उत्पन्न होने वाला विनाशकारी रोग है जो सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा फसल में प्रसारित होता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियॉ तथा फलियॉ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड १७.८ एस० एल० /०.३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। अतः इस कीट की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग कर सकते है अथवा डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा २ मि० ली० +१० ग्राम चीनी/गुड़ प्रति लीटर पानी की दर मिलाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें। इन सब्जियों की फसल में निकाई-गुड़ाई का कार्य करें।
- लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे-राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१ वी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम की नर्सरी २५ मई से लगा सकते हैं। र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल की नर्सरी तैयार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार अवश्य कर लें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। उत्तर विहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ है। खरीफ मक्का की बुआई २५ मई से करें।
- तापमान में वृद्धि की संभावना को देखते हुए पशुओं को दिन में छायादार स्थानो पर रखे तथा अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ५.१ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः २१.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.१ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी